

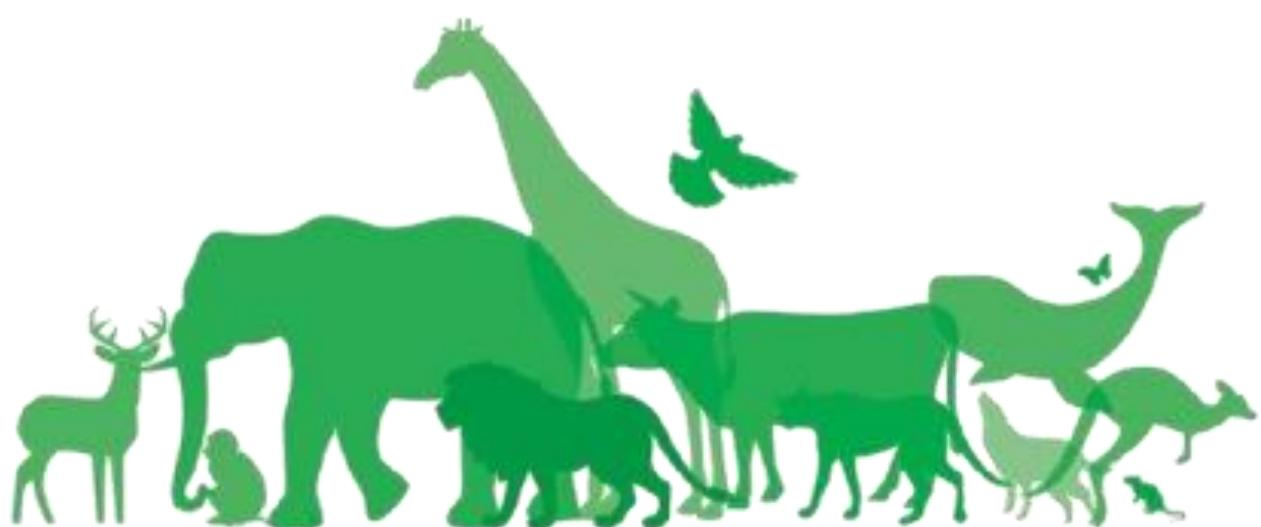


वानिकी महाविद्यालय शुआट्स में 70वाँ वन्य जीव सप्ताह का आयोजन

मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह

पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिंगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 “सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण” विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संस्करण मनाया गया। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह दिनांक 07.10.2024 का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। आयोजित वन्य जीव सम्पत्ताह समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेंगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने

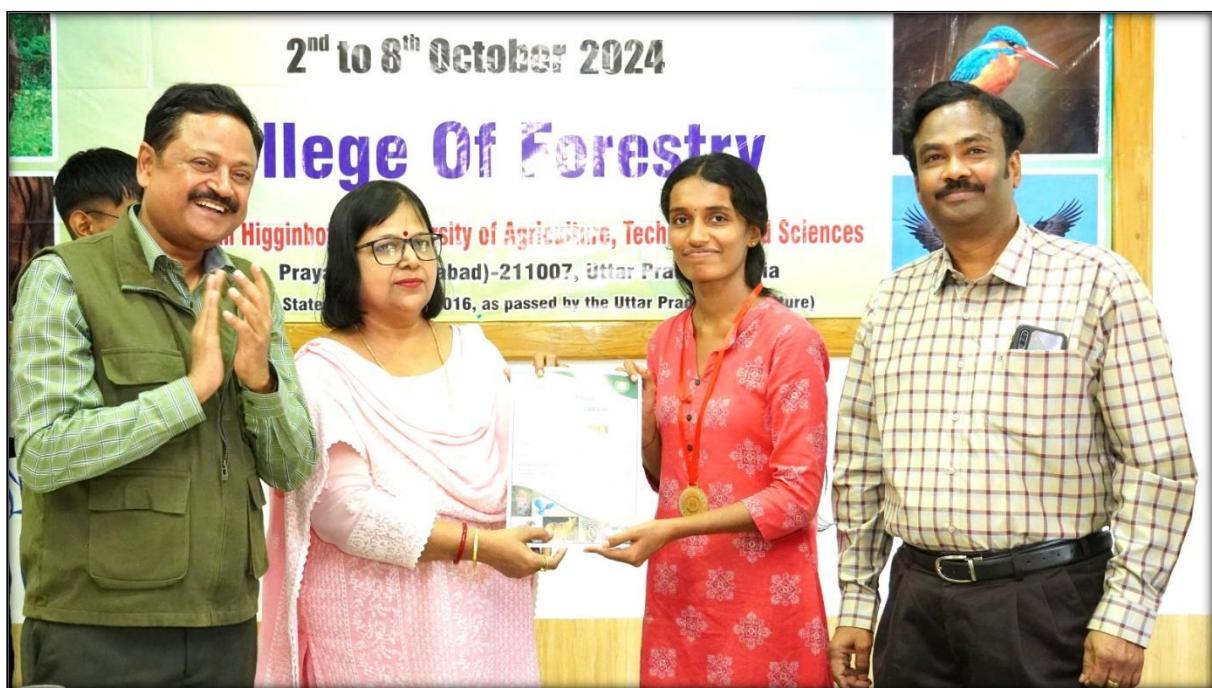
छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प.—पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में अपने विचार साझा किये। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफाक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। उन्होंने बताया कि प्रारम्भ में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, जिसे बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोह के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम. वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गयी जिसमें किंवज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण—पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्रा राखी कुमारी और एम.एम. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने किंवज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आनन्दिता और पूजा आर नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।













वानिकी महाविद्यालय ने परिसर में 70वाँ कन्य जीव सप्ताह मनाया

नैनी(प्रयागराज)। पर्यावरण की रक्षा के लिए मानानीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिंगनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर, 2024 +सह-अस्तित्व के माध्यम से बन्यजीव संरक्षण+ विषय के साथ बन्यजीव सप्ताह का 70वें संस्करण मना रहा है। बानिकी महाविद्यालय में बन्यजीव सप्ताह समाप्तों का उद्देश्य सभी प्रकार के बन्यजीवों के महत्व और देश की समुद्र जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में, प्रो.डॉ.एंटनी जोसेफ राज (बानिकी महाविद्यालय के डीन और निदेशक) ने बताया कि भारत 17 मेंगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। प्रो.डॉ.एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि बन्यजीव संरक्षण के लिए भारत



की प्रतिवर्द्धनाते के कारण, हमारे देश ने 106 ग्राहीय उद्यानों, 573 वन्यजीविक अभ्यासण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्रों और 220 सापाद्यायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्रों का 5.32: हिस्सा कवर करता है उद्देश्य प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बावध संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बायो की आवादी 3,682 हो जाना एक उद्घेष्णीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70: से

अधिक जंगली बाध आवादी का धर है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भा. वा. अ. शा. प. -पारि स्थितिक पुरुषसंघापन केन्द्र, प्रयागराज के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि.. बन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्हें इस बात पर जो दिया कि बन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। समारोह में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव

(भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्सृष्टियाप केन्द्र की वैज्ञानिक डी) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। स्वागत माध्यम में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और बन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफाक माजिद वानी ने बताया कि बन्यजीव समाह का विचार भारतीय बन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला बन्यजीव दिवस 2 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर बन्यजीव समाह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला बन्यजीव समाह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में बन्यजीव समाह समाप्त हो के एक शानदार सफलता बनाने के लिए डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), प्रो. डॉ.

वानिकी महाविद्यालय शुआट्स द्वारा 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया गया

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रदानमंत्री जी के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम विनियोगटॉप के विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 "सह अस्तित्व के माध्यम से बन्यजीव संरक्षण" विषय के साथ बन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संसरण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में बन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के बन्यजीवों के महत्व और देश की सम्पुर्ण संरक्षण की विधित का संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, फोकर्सर (डीन इन एजिकेशन, वानिकी महाविद्यालय) ने

बताया कि भारत 17 मेंगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 ज़ेर विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. अंटनीज़ेर ने गर्व से इस्टिंश किया कि भारत की प्रतिवृद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 कर्पज़ों और अभयारण्यों का समुदायिक क्षेत्र और 220 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तत्त्वापिकिता किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बायां संरक्षण प्रयोग से महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिज़र्व के साथ बायां की आवादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता का बढ़ावानी हो जाएगी और भारत अब



हनुमान प्रसाद केसरवानी को अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य समाज का बनाया गया प्रदेश अध्यक्ष

(सहजसत्ता संवाददाता)

कौशाली। अखिल भरतीय केसरवानी वैश्य समाज का हनुमान प्रसाद केसरवानी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रधानरियों ने हार्दिक हार्दिक बैठक एवं शुभमानान् दिवा है महें प्रभारी लिखा अध्यक्ष रमेश केसरवानी कहाँ की हनुमान प्रसाद केसरवानी जी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर केशरवानी समाज पूरे प्रदेश में और मजबूत होगा और पूरे प्रदेश में केशरवानी समाज को नई दिवा मिलेगी श्री हनुमान



लिए जगरूकता समरोहों के महत्व पर भी बल दिया। बाणिकी महाविद्यालय के एसीसीएट डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद वाचन किया। डॉ. जेम्स ने बाणिकी महाविद्यालय में वन्यजीव संतान ह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केंद्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), रिरचर्ड बैनिन्कर, डॉ. अनुष्ठा श्रीवर्तत (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेप राज, प्रोफेसर (बाणिकी महाविद्यालय के हीन), डॉ. अफाक एम बनी (प्रमुख), सभी संकायों सदस्यों और छान्तों को। धन्यवाद दिया। जात्रों को लिए महाविद्यालय का क्रान्त क्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गयी जिसमें विज्ञ प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वर्जन फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली राजदूत और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पुस्तकार वितरित किए गए। जात्रा सुश्री राती कुमारी और एम.ए. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में सर्वांग पदक प्राप्त किया और निहित हसल नाम और राजदूत सकाराने किंजि प्रतियोगिता में सर्वांग पदक प्राप्त किया। आनन्दिता और पूजा आर नाथविहार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में सर्वांग पदक प्राप्त किया और राजदूत सकाराने के वर्जन फोटोग्राफी प्रतियोगिता

वानिकी महाविद्यालय शुआट्स द्वारा 70वाँ वन्य जीव सम्मान मनाया गया

बीके यादव / बालजी दैनिक

प्रयागराज-पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिंगनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 सह अस्तित्व के माध्यम से बन्यजीव संरक्षण विषय के साथ बन्यजीव सप्ताह 7का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में बन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के बन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्धि जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि बन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 गण्य उद्यानों, 573 बन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक अरण्यक विविधता क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट याइगर के माध्यम से हमारे देश में बाष संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1411 से 2023 में 55 याइगर रिजर्व के साथ बांधों की आबादी 3682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी



है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आवादी का घर है डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण भास्तीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से

वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव ससाह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्संथापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफाक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव ससाह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव ससाह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव ससाह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्हें वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

वानिकी महाविद्यालय ने शुऑट्स परिसर में मनाया 70वाँ वन्य जीव सप्ताह



उत्ताप्नीवाद एवं सम्प्रदाय
प्रयागराज का पर्यावरण को रक्षा के लिए
मानवीनी वृक्षपाली के द्वारा उत्ताप्नी के समर्थन में, सैम लिहिंग्स्टोम कृषि
प्रोटोटाइपों के लिए बनाया विश्वविद्यालय
प्रयागराज के लिए वार्काफ़्स विश्वविद्यालय
 2 से 8 अक्टूबर, 2024 - सह-
 अस्ट्रिलिया के माध्यम से वर्चोव्याक्ति
 संस्कार से सह-
 समाज का 70वाँ संस्करण मना रहा है।
 सामाजिकी मूल्यविद्यालय में बन्योदयी
 सामाजिक समर्पण के लिए दोनों सभी
 के वर्चोव्याक्ति के मालिन और दोनों के
 सम्पूर्ण जीव विविधता के प्रशंसित करने
 में सहयोगात्मका के विभिन्नों के
 अवधारणा देना है। अब तक अज्ञानका भाषण
 में, प्रो. डॉ. एस्टन जोसेफ राज (वार्काफ़स
 में), प्रो. डॉ. एस्टन जोसेफ राज (वार्काफ़स
 में) और प्रो. डॉ. एस्टन जोसेफ राज (वार्काफ़स
 में) द्वारा आयोजित किया गया था।

क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32% विस्तृत करवा करता है। उनमें प्रोजेक्ट टाइप के व्यापार में देश में वायस सरकार प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालता है। इसका काम 2006 में 1,411 से 2020 में 55 टाइटर एक्सप्रेस के साथ संबंधित आवादी 3,682 हो जाना एवं उत्तरी अमेरिका सफलता के कहानी तिलिखी हो और अमेरिका अब तुरन्त 70: से अधिक जंगली वाष्प आवादी का धर्छा हो। प्रो-डांस्ट्रेटन ने अब्बों अंतर्राष्ट्रीय युक्ति से भारत के व्यापार के वन्यजीवों के संरक्षण के विषयालीका बढ़ावा और जिम्मेदारी का नाम देता करते हैं लेन मोड भारत

का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भा. वा. अ. शि. प.-पारिस्थितिक पुस्तकालय के नेट्रोन ब्रॉडबैंड के प्रमुख व्यक्ति सिंह ने बताया कि, वर्षोंतीकों का संरक्षण भारतीयों के पूर्ण सामूहिक की फैलाव है। दूसरे संजय सिंह ने बताया कि भारत दुनिया के एक बड़ा देश है। जहाँ पर्यावरण शेरों और बाघ दोनों एक साथ पाया जाते हैं। उत्तरांश इस बाब पर दिया विवाद वर्षोंतीकों के समाज के लिए इन-सोसैटी और एक्स-सोसैटे दरमाण बहुत महत्वपूर्ण है। दूसरे संजय सिंह ने कहा कि अबासों पर

संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। उसने वर्यजीव समरण के लिए सरकार को उच्च स्तरीय समर्थितों के विशेषक के रूप से अनुभव माज़ा किया है। डॉ. राजन रिट्टे ने सभी जाति-ओं से वर्यजीव समरण और प्रबलता के प्रति व्यक्त दृष्टिकोण अपनाने का आहारन किया। वर्यजीव समाज सम्पादन में डॉ. अनुषा श्रीवास्तव (पांचा. एस. पि. प्रशासनिक पुनर्मुखीकरण केन्द्र की विद्यार्थी) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भौतिकी और वातावरण विज्ञान में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन-जीव विज्ञान के प्रमुख तथा अक्षय कामिनी ने वन विज्ञान समाज का विचार

वर्ती वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफक्का बताया कि शुरू में पहला वन्यजीव दिवस 2 अक्टूबर 1955 मनाया गया था, लेकिन बाद में वर्तक वन्यजीव समाज कर गया। डॉ. अफक्का के कहाँ कि वन्यजीव समाज 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। इसके बायरंपुर संभाग के बारे में उसे को जान को बहाने के लिए लड़काता समाजों के महार पर भी दिया। लाकोनी मालवाली वन्यजीव समाज डॉ. अश्रियेन जेम्स ने पर्यावरण व्यवस्था प्रस्तुत की। डॉ. जेम्स ने वाचनीय

मानविद्यालय में वन्यजीव सभा सम्पर्कों को एक सामग्री सफलतापूर्वक करने के लिए तो, संसद यह (मुख्य अतिथि), डॉ. अनुपा श्रीवास्तव (विजिता अतिथि), प्रौ. डॉ. एटने अनुष्ठान गण (जानकी मानविद्यालय के डॉन), डॉ. अप्लाक एम बारी (प्रभुता), सभी संस्कार सदस्यों और विद्यार्थी जो ध्यान दें। जोकि कोई महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोगी तरीके द्वारा गण जिम्मेदार किए प्रतियोगिताएं, ड्यूग विजयवाहिनी, वन्यजीव जोड़ने वाली फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नम (जानकी जानने और बढ़ाव देने) लेखन प्रतियोगिता और प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रशंसन प्राप्त और पुरस्कार वितरित किए गए। इत्तमांसी सुनी गयी और सुनी सुनी, एम पा. राजवल्लभी ने ड्यूग विजयवाहिनी में स्थान पदक प्राप्त किया और श्री. निहित नाना जी और श्री. राजदीप सरकार ने किजि प्रतियोगिताएं में स्थान पदक प्राप्त किया। अनुष्ठान और सुनी पूजा आर-नायकीवाली ने वैज्ञानिक नम लेखन प्रतियोगिता में स्थान पदक प्राप्त किया और श्री. राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्थान पदक प्राप्त किया।

वन्यजीवों का संरक्षण भारत की सांस्कृतिक पहचान : डॉ. संजय सिंह



-वन्यजीवों के आवास पर अतिक्रमण से मानव वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा।

-वानिकी महाविद्यालय शुआद्स ने 70वां वन्य जीव सप्ताह मनाया।

प्रयागराज, 07 अक्टूबर (हि.स.)। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों की मूल सांस्कृतिक पहचान है। यह बातें भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कही।

सोमवार को पार्यावरण की रक्षा के लिए सैम हिंगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय में 2 से 8 अक्टूबर तक "सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण" विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वां संस्करण मनाया जा रहा है। डॉ. संजय सिंह ने बाहर मुख्य अतिथि इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है।

डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय के प्रो.डॉ. एंटनी जोसेफ राज ने कहा कि भारत 17 मैग-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉट स्पॉट में से चार का मेजबान है। वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभ्यारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्रों और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्रों का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों पर कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक सफलता है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र उपस्थित थीं। डॉ. अफाक ने बताया कि पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्तुत किया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिसमें विजय प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए।

वन्यजीवों का संरक्षण भारतीय संस्कृति का मूल

व्याख्यान

बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। प्रो. एंटनी जोसेफ राज ने कहा हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभ्यारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित हैं। इस अवसर ड्राइंग प्रतियोगिता में राखी और एमएम राजलक्ष्मी, किंवज में निहित हंसल नाग व राजदीप सरकार, वैज्ञानिक नाम लेखन में आनन्दिता व पूजा आर नाम्बियार, फोटोग्राफी में राजदीप सरकार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक जेम्स आदि मौजूद रहे।

वन्यजीवों के संरक्षण का आत्मान

प्रयागराज। सैम हिंगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण विषय पर सोमवार को गोष्ठी हुई। वानिकी महाविद्यालय के डीन एवं निदेशक प्रोफेसर डॉ. एंटनी जोसेफ राज ने छात्रों और युवाओं से वन्यजीवों के संरक्षण के लिए आगे आने का आत्मान किया।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के प्रभारी डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने को

कहा। इस दौरान छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं भी कराई गईं।

राखी कुमारी और एमएम राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में, निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने किंवज प्रतियोगिता में, आनन्दिता और पूजा आर नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में और राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। गोष्ठी में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. अफाक माजिद वानी, डॉ. अभिषेक जेम्स आदि मौजूद रहे। संवाद

संक्षिप्त समाचार

WILDLIFE WEEK CELEBRATION

2nd to 8th October 2024

College Of Forestry



शुआट्स में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि • सौ. शुआट्स

वन्य जीव सप्ताह में जैव विविधता के संरक्षण पर जोर

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : सैम हिंगिनबाटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के वानिकी महाविद्यालय ने 70वें वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया। "सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण" विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के महत्व और देश की जैव विविधता के संरक्षण में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जागरूकता फैलाना था। इस दौरान प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग, वन्यजीव फोटोग्राफी और वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। ड्राइंग में राखी कुमारी और एमएम राजलक्ष्मी ने तथा विवरण में निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने स्वर्ण पदक जीता। वानिकी महाविद्यालय के डीन एवं निदेशक डा. एंटनी जोसेफ राज ने कहा कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और यहां चार जैव विविधता हाटस्पाट हैं। डा. अभिषेक जेम्स, डा. अफाक एम वानी उपस्थित रहे।



OPINION 6
IC-814: LESSONS
BEYOND THE BINARY

WORLD 9
NETANYAHU DEMANDS CONTROL OF
GAZA'S BORDER WITH EGYPT

MONEY 10
FOREIGN INFLOWS LIFT
MARKETS HIGH



LUCKNOW, FRIDAY SEPTEMBER 6, 2024; PAGES 12 13

Established 1864

the pioneer

MAKING OF
PARALYMPIC ICON
ARCHER HARVINDER
12 SPORTS

www.dailypioneer.com

Importance of tiger conservation efforts highlighted

Prayagraj (PNS): In support of Prime Minister's vision to protect Environment, College of Forestry of Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences (SHUATS), has been celebrating the 70th edition of Wildlife Week from October 2 with the theme "Wildlife Conservation Through Co-Existence." It will continue till October 8.

The focus of the Wildlife Week celebrations at College of Forestry was to promote awareness on the importance of all forms of wildlife and the need for collaborative efforts in preserving nation's rich biodiversity. In his presidential address, Prof Antony Joseph Raj, Dean of College of Forestry and Director, informed that India is one of the 17 mega-diversity countries and host to four of the world's 36 biodiversity hotspots. Prof Antony mentioned that due to commitment for the wildlife protection, our country has established the network of 1,014 protected areas, including 106 national parks, 573 wildlife sanctuaries, 115 conservation reserves and 220 community reserves. He highlighted



the importance of tiger conservation efforts in our country through Project Tiger which has scripted a remarkable success story in the growth of tigers from 1,411 in 2006 to 3,682 in the year 2023 with 55 Tiger Reserves and India is now home to more than 70 per cent of the world's wild tiger population. Dr Antony urged the students and young people to turn into role models in raising awareness and instilling a sense of responsibility for the conservation of India's remarkable wildlife. Chief guest Dr Sanjay Singh, Head of ICFRE-Eco Rehabilitation Centre, Prayagraj, emphasised that conservation of wildlife is the core cultural identity of Indians. Dr Sanjay Singh

informed that India is the only country in the world where Asiatic lion and tiger both exist together and stressed that in situ and ex-situ conservation is very important for wildlife conservation. Dr Singh added that human-wildlife conflict is increasing day by day due to the encroachment of wildlife habitats. He shared his experiences as an expert in the government high-level committees for wildlife conservation. Dr Singh called upon the students to go with a broad vision towards wildlife conservation and management. Dr Anubha Srivastava (scientist D of ICFRE-Eco Rehabilitation Centre) was present as the guest of honour in the Wildlife Week celebration function. In the welcome address,

Dr Afaq M Wani, Head of Forest Biology, Tree Improvement and Wildlife Sciences revealed that the idea of Wildlife Week was conceived by the Indian Board of Wildlife in the year 1952. Dr Afaq informed that initially First Wildlife Day was observed on October 2, 1955, but later the name was changed to Wildlife Week. He added that the first Wildlife Week was observed from October 2 to 8 in the year 1957. Dr Abhishek James, Associate Dean of College of Forestry, proposed the vote of thanks. Dr James thanked Dr Sanjay Singh, Dr Anubha Srivastava, Prof Antony Joseph Raj (Dean of College of Forestry), Dr Afaq M Wani (Head), all faculty members and students for making the Wildlife Week celebrations in College of Forestry a grand success. The important events and competitions for the students were quiz competition, drawing competition, wildlife photography competition and Scientific Name (wild animals and birds) Writing Competition. Certificates and prizes were distributed to the winners.

स्वतंत्र भारत

प्रयागराज, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024

वानिकी महाविद्यालय ने शुआँट्स परिसर में 70वाँ कन्य जीव सप्ताह मनाया'

स्वतंत्र भारत संवाददाता प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सेम हिंगनवॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर, 2024 'स्वतंत्र भारत' के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण का 70वाँ कन्य जीव सप्ताह का उद्घाटन करके वन्यजीवों के महान् और देश की समृद्ध जीव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अत्यधिक भाषण में, प्रो.डॉ.एंटनी जोसेफ राज (वानिकी महाविद्यालय के हीन और निदेशक) ने बताया कि भारत 17 में वन्यजीवियता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जीव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। प्रो.डॉ.एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि कन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिक्रिया का कारण, हमारे देश ने 103 राष्ट्रीय उदयान, 573 वन्यजीव अभयारण्य, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 समुदायिक आरक्ष क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तत्त्व संरक्षित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32% हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रो-जेवेट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में वाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व

संख्यायी वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भा. वा.अ.पि.प.-पारिचयितक पुनर्स्थापन केन्द्र, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। स्वागत भाषण में वर जीव विज्ञान, वृक्ष सूधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफाक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि सुर्जात में एकल वन्यजीव विविधता नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों को ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया।

संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों छात्र साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन सीढ़ियों और एस्सीटी संरक्षण वहुत महत्वपूर्ण है। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संरक्षण के उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ लेने में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाना का आग्रह किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह भा. वा. अ.पि.प.-पारिचयितक पुनर्स्थापन केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। स्वागत भाषण में वर जीव विज्ञान, वृक्ष सूधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफाक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि सुर्जात में एकल वन्यजीव विविधता नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों को ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया।

वानिकी महाविद्यालय शुआट्स ने 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया
वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। भारत
दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है,
जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों
एक साथ पाए जाते हैं। वन्यजीवों
का संरक्षण भारतीयों के मूल
सांस्कृतिक की पहचान है। यह बातें
भा.गा.अ.शि.प पारिस्थितिक
पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के केन्द्र
प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कही।

सोमवार को पर्यावरण की रक्षा के लिए सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर तक 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। डॉ संजय सिंह ने बताए मुख्य अतिथि इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़



रहा नै

डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय के प्रो.डॉ. एंटनी जोसेफ राज ने कहा कि भारत 17 मेंगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉट स्पॉट में से चार का मेजबान है। वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभ्यारण्यों, 115

संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने कहा प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों पर कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक सफलता है।

और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीतास्तव पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र उपस्थित थीं। डॉ. अफाक ने बताया कि पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्तुत किया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी जिसमें विवर प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और परस्कार वितरित किए गए।



हिन्दी दैनिक कौशाम्बी टाइम्स

प्रयागराज मंगलवार 08 अक्टूबर 2024

वानिकी महाविद्यालय द्वारा 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया गया

**समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में
सहयोगात्मक प्रयासों की जरूरत-डॉ. एंटनी**

कार्यालय संवाददाता
प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा
के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी को
दिल्लीकोण के समर्थन में, सैम
हिंगेवरठुम कृषि, प्रशासनिक एवं
विज्ञान विभिन्नालय, प्रयागराज के
वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08
अक्टूबर, 2024 'सह-अतिक्रम तथा
मायाम से बचाव-संरक्षण' विषय
के साथ बन्यजीव सप्ताह का 70वाँ

संस्करण मनाया जा रहा है। बाणीकी महाविद्यालय में कन्द्रमय सपाहा संस्कृत को अंग्रेजी सभी प्रकार के नन्याँजों के महत्व और देश की सुधूर तरफ परिविधाता करने से सहाय्यामात्र प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (नन्द एंटनी नियमित, बाणीकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 यौग-विद्यालयों द्वारा देशों से एक है और दिनाया के 36 ज़िलों परिविधाता हॉटस्पॉट में से दारा का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्म से उल्लेख किया कि बन्याँजी

संरक्षण के लिए भारत की प्रतिवद्धता
के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय
उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों,
115 संरक्षित क्षेत्र और 220

कहानी लिखी है और भारत अब
दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक
जंगली बाघ आबादी का घर है।
डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से

ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के

दिया के नवजाग के संरक्षण के लिए इन सीढ़ी और एक्स-सीढ़ी संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें कहा जाता है कि दर्योंजी के आवासों पर अतिरिक्त कार्रवान मानव-वर्जनीय संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में वर्जनीय संरक्षण के लिए सरकार की एक तरीर समितियों को दिशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वर्जनीय संरक्षण और प्रबलता के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आगाम कहा। वर्जनीय सतारा सम्मानों के विशेषज्ञ असेथी के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुरामा श्रीवास्तव, भा. वा. ओ. शि. प. एवं व्याख्यातिक उन्नर्सर्पणन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। त्रिगत

(विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (बाणिकी महाविद्यालय के हीना), डॉ. अफानो इम गारी (प्रभुगु), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को। धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वात्मक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गयी जिसमें विचरण प्रतियोगिता, द्वाइग्र प्रतियोगिता, बन्यज्ञानी फोटोटेक्निक प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं को योग्य विजेताओं को प्रशंसन-पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्र उम्री राखी कुमारी और एस.एस. राजलक्ष्मी ने द्वाइग्र प्रतियोगिता में सर्वांग पक ब्रात किया और निविहंड हासल नाम और राजदीपी नाम पर विजेता प्रतियोगिता में सर्वांग पक ब्रात किया। आनन्दिता और पूजा आर नन्दियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में सर्वांग पक ब्रात किया और राजदीप सचारक ने बन्यज्ञानी फोटोटेक्निक प्रतियोगिता में सर्वांग पक ब्रात किया।

वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आहान - डॉ संजय सिंह

प्रभात वंदना संवाददाता

प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिनिनॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेंगा-विविधता

गाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है।

डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय ऊर्जाओं, 573 वन्यजीव अभ्यारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा करव करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में वाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1, 411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ वाघों की आवादी 3, 682 हो जाना एक उल्लेखीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया

की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली वाघ आवादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखीय वन्यजीवों के संरक्षण

का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई

क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प-

-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थिति थीं। स्वागत भाषण में वन जैव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अपॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव वोई द्वारा वर्ष 1952 में उपस्थिति था। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संरक्षण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी



के लिए जागरूकता बढ़ाने और शेर और वाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संरक्षण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी

प्रयागराज 3

प्रयागराज - मंगलवार, 8 अक्टूबर, 2024

वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आहान - डॉ संजय सिंह

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिनिनॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेंगा-विविधता

गाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है।

डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय ऊर्जाओं, 573 वन्यजीव अभ्यारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा करव करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में वाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1, 411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ वाघों की आवादी 3, 682 हो जाना एक उल्लेखीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया

की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली वाघ आवादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखीय वन्यजीवों के संरक्षण

का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई

क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प-

-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थिति थीं। स्वागत भाषण में वन जैव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अपॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव वोई द्वारा वर्ष 1952 में उपस्थिति था। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संरक्षण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी



के लिए जागरूकता बढ़ाने और शेर और वाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संरक्षण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी

प्रयागराज 3

प्रयागराज - मंगलवार, 8 अक्टूबर, 2024